Toppersnotes
Unleash the topper in you

# मध्य प्रदेश

## असिस्टेंट प्रोफेसर

## भूगोल

**मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC)**

**भाग - 1**

**मध्य प्रदेश का सामान्य ज्ञान एवं कंप्यूटर**

SIERRA INNOVATIONS

# विषयसूची


| S No. | Chapter Title | Page No. |
|---|---|---|
| 1 | मध्यप्रदेश का भौगोलिक परिचय | 1 |
| 2 | मध्य प्रदेश के प्राकृतिक भौगोलिक प्रभाग | 7 |
| 3 | मध्य प्रदेश का अपवाह तंत्र | 12 |
| 4 | मध्य प्रदेश में जलवायु, ऋतुएँ और वर्षा | 25 |
| 5 | मध्य प्रदेश की मिट्टी | 28 |
| 6 | मध्यप्रदेश में वन क्षेत्र | 32 |
| 7 | मध्य प्रदेश में वन्य जीव | 37 |
| 8 | मध्य प्रदेश के प्रमुख खनिज संसाधन | 41 |
| 9 | मध्यप्रदेश में ऊर्जा के पारंपरिक और गैर–पारंपरिक स्रोत | 49 |
| 10 | मध्य प्रदेश में परिवहन | 56 |
| 11 | मध्य प्रदेश का प्राचीन इतिहास | 62 |
| 12 | मध्य प्रदेश का मध्यकालीन इतिहास | 71 |
| 13 | 13–18वीं शताब्दी के दौरान मध्य प्रदेश | 88 |
| 14 | 1857 का विद्रोह | 102 |
| 15 | स्वतंत्रता आंदोलन में मध्य प्रदेश का योगदान | 115 |
| 16 | मध्यप्रदेश के जनजातीय नायकों का संघर्ष एवं इतिहास में योगदान | 119 |
| 17 | मध्य प्रदेश के सांस्कृतिक पहलू | 121 |
| 18 | मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थल | 153 |
| 19 | मध्यप्रदेश का गठन और निर्माण | 172 |
| 20 | मध्य प्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था | 174 |
| 21 | मध्य प्रदेश में स्थानीय स्वशासन | 193 |
| 22 | संवैधानिक और वैधानिक निकाय | 196 |
| 23 | मध्य प्रदेश के औद्योगिक और सेवा क्षेत्र | 201 |

# विषयसूची


| S No. | Chapter Title | Page No. |
|---|---|---|
| 24 | मध्य प्रदेश की जनसांख्यिकी | 210 |
| 25 | मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण योजनाये | 215 |
| 26 | राज्य बजट एवं आर्थिक सर्वेक्षण | 219 |
| 27 | **सचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT)** | 233 |

# 1 CHAPTER मध्यप्रदेश का भौगोलिक परिचय

## मध्य प्रदेश की भोगौलिक स्थिति एवं विस्तार

- मध्य प्रदेश प्रायद्वीपीय पठारी भारत के उत्तर-मध्य भाग में स्थित है, जिसकी सीमा का वर्गीकरण निम्न प्रकार से किया जा सकता है

**MPPEB Police Constable 2022**

  - **उत्तर:** गंगा-यमुना का मैदान
  - **पश्चिम:** अरावली ,
  - **पूर्व:** छत्तीसगढ़ का मैदान
  - **दक्षिण:** ताप्ती घाटी और महाराष्ट्र का पठार।
- **भूवैज्ञानिक संरचना:** मध्य प्रदेश **गोंडवाना लैंड** का हिस्सा है।

| | |
|---|---|
| **क्षेत्र** | **3,08,000 किमी²** (भारत के कुल क्षेत्रफल का 9.38%) |
| **अक्षांशीय विस्तार** | **21° 6'N - 26 °30'N** 605 किमी (उत्तर से दक्षिण) |
| **देशान्तारीय विस्तार** | **74° 9'E - 82 °48'E** 870 किमी (पूर्व से पश्चिम) चौड़ाई लंबाई से अधिक है |
| **भारतीय मानक मेरिडियन (82°30'ई)** | **सिंगरौली जिला** (मध्य प्रदेश में केवल एक जिला) |

### मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति

- **क्षेत्रफल** के हिसाब से मध्य प्रदेश **दूसरा सबसे बड़ा राज्य है** (9.38%) **MPPEB Police Cons. 2022**
  - राजस्थान (342,239 वर्ग किमी)
  - मध्य प्रदेश (308,245 वर्ग किमी)
  - महाराष्ट्र (307,713 वर्ग किमी)
  - उत्तर प्रदेश (243,286 वर्ग किमी)
  - गुजरात (196,024 वर्ग किमी)
- **जनसंख्या** के हिसाब से मध्य प्रदेश **5वां सबसे बड़ा राज्य** है।
  - उत्तर प्रदेश (232.7 मिलियन)
  - महाराष्ट्र (124.3 मिलियन)
  - बिहार (104.1 मिलियन)
  - पश्चिम बंगाल (91.3 मिलियन)
  - मध्य प्रदेश (72.6 मिलियन)
- **अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ:** मध्य प्रदेश की कोई तटरेखा नहीं है और न ही किसी देश से अंतर्राष्ट्रीय सीमा लगती हैं
- मध्य प्रदेश एक स्थलरुद्ध राज्य है जिसकी सीमाएँ **पाँच राज्यों को स्पर्श करती है:**
  - उत्तर प्रदेश (1,046 कि.मी) (उतर में)
  - राजस्थान (1,039 कि.मी) (उतर-पश्चिम)
  - छत्तीसगढ (1,033 कि.मी) (पूर्व)

**MPPEB Police Cons. Exam 2022**

  - महाराष्ट्र (725 कि.मी)(दक्षिण)
  - गुजरात (600 कि.मी) (पश्चिम)
- **प्राकृतिक सीमाएँ:**
  - **उत्तर:** चम्बल नदी
  - **दक्षिण:** ताप्ती नदी
  - **पूर्व:** मैकल और कैमूर की पर्वतमालाएँ
  - **पश्चिम:** अरावली पर्वत श्रृंखला

## मध्यप्रदेश के संभाग

# मध्यप्रदेश के जिले

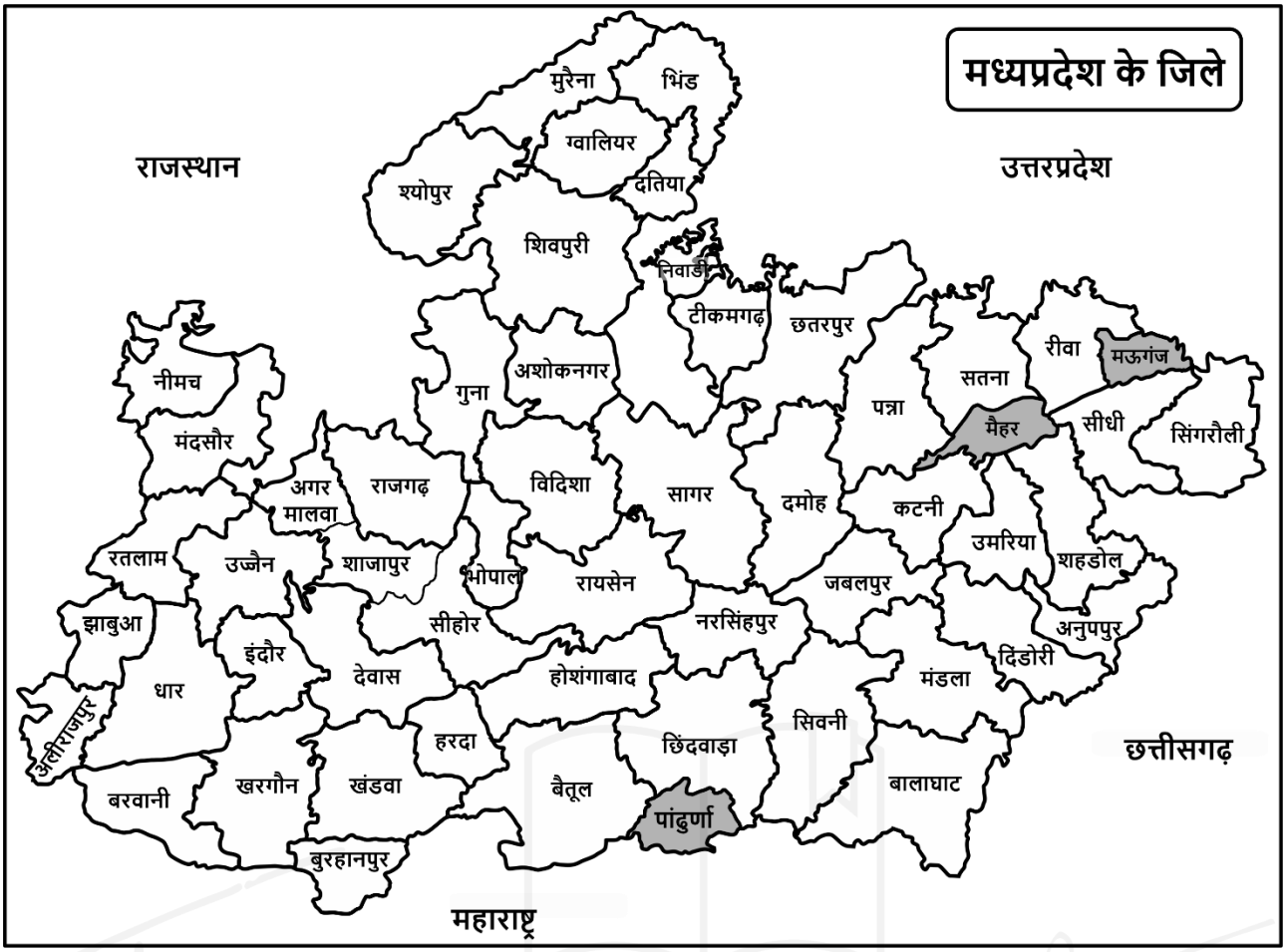


## मऊगंज (53वां जिला)

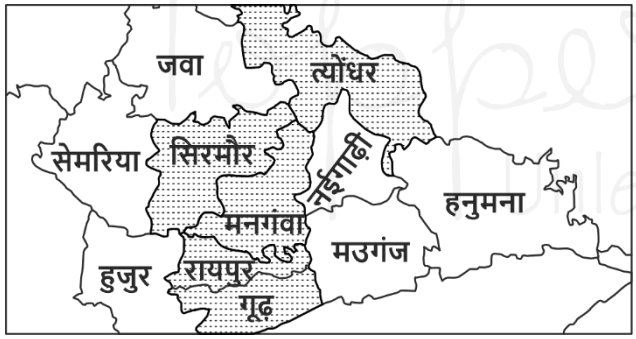


- मऊगंज, मध्यप्रदेश राज्य का 53वां एवं रीवा संभाग का 5वां जिला हैं।
- यह रीवा जिले से वर्ष 2023 में अलग होकर अस्तित्व में आया।
- यह क्रमशः दक्षिण और पश्चिम में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज और मिर्ज़ापुर जिलों से घिरा है।
- **क्षेत्रफल:** 1866.88 वर्ग किलोमीटर.
- **आबादी:** 6,16,645
- **भाषा:** हिंदी/बघेली
- **गाँव:** 1070
- **विधानसभा सीट**- मऊगंज और देवतालाब।
- **तहसील**- मऊगंज, हनुमना और नईगढ़ी।
- मऊगंज जिला रीवा लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है।

### जिले का इतिहास

- मऊगंज का इतिहास ग्यारहवीं शताब्दी का है, जो उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश में स्थित इस उपजाऊ क्षेत्र में राजपूतों के सेंगर वंश के आगमन से शुरू हुआ था।
- इसे पहले सेंगर राजाओं के शासन के तहत 'मऊ राज' के नाम से जाना जाता था, जो इस क्षेत्र में बस गए और उन्होंने मऊगंज, मनगवां और बिक्रहटा में किलों का निर्माण कराया।
- हालाँकि, चौदहवीं शताब्दी में बाघेलों ने मऊ राज पर आक्रमण किया। उन्होंने मऊ की लड़ाई में सेंगरों को हराया और उनके किले को नष्ट कर दिया और अंततः इसे बाघेलखंड राज्य में मिला लिया।
- सेंगरों के वंशजों ने बाद में भागकर एक नया किला बनाया और इसका नाम नई गढ़ी रखा, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'एक नया किला।
- **देवतालाब** की प्रसिद्धि का कारण यहां स्थित शिव मंदिर है, जिसके बारे में आसपास के लोगों की मान्यता है कि यह एक पत्थर (एकाश्म) का मंदिर है, जिसका निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने एक ही रात में किया था। यहां हर साल तीन मेले लगते हैं और बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।
- **नईगढ़ी** शहर जिसका अर्थ है 'नया किला' की **स्थापना सेंगर वंश के राजा छत्रधारी सिंह** ने की थी। क्षेत्र के इतिहास के अनुसार, वह राजपूतों के सेंगर वंश के वंशज थे, जिन्होंने मऊगंज नामक राज्य पर शासन किया था, जिसे 'मऊ राज' भी कहा जाता था।

## अन्य तथ्य

- मऊगंज जिला अपनी धार्मिक संस्कृति और प्राकृतिक सुन्दर झरनों से समृद्ध है।
- मऊगंज जिले का मुख्यालय मऊगंज में है,
- 15 अगस्त 2023 से दस्तावेजों में भी जिला मऊगंज अस्तित्व में आ गया है।
- मऊगंज जिले के प्रथम जिला दंडाधिकारी और कलेक्टर के तौर पर IAS अजय श्रीवास्तव की पदस्थापना हुई है.
- इसके पहले इसी दिन सोनिया मीना, भाप्रसे (2013) को कलेक्टर जिला मऊगंज के पद पर पदस्थ करने का आदेश जारी किया गया था। प्रथम पुलिस अधीक्षक के रूप में वीरेंद्र जैन को मऊगंज जिले की जिम्मेंदारी सौंपी गई है।
- इस जिले का गठन मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 (क्रमांक 20 सन 1959) की धारा 13 की उपधारा के तहत हुआ है।

## पुरातत्विक धरोहर

- नवगठित जिला मऊगंज पूर्ण रूप से पुरातात्विक धरोहरों को सहेजे हुए हैं ।
- पूर्व में जडकुड पिपराही से लेकर पश्चिम में कोट ( कोदईया) तक उत्तर में चौराघाट से लेकर दक्षिण में देवतालाब तक अलग-अलग समय कल के पुरातात्विक धरोहर वा चिन्ह यहां मौजूद हैं ।
- ग्राम लासा में 11वीं 12वीं शताब्दी की मूर्तियां एवं कुछ शैल चित्र अंकित हैं,
- चौरा घाट के समीप 12वी 13वी सताब्दी की मूर्तियां, एक जीर्ण खंडहर निशान के तौर पर है,
- ग्राम भैंसहई में लगभग 2000 वर्ष पुराना बौद्ध स्तूप कई शैलाश्रय शैलभित्ति चित्र युक्त हैं,
- बहुती और अष्टभुजी से निकली हुई दोनों नदियों के बीचों-बीच फैले हुए क्षेत्र में कई शैलाश्रय व शैलभित्ति चित्र युक्त हैं।
- बेलाघाट (शिवराजपुर) में शैलाश्रय व शैलभित्ति चित्र मौजूद हैं।
- ग्राम कोट और खूझ में कई स्तूप आकृति के विशाल ढेर और कुछ पत्थर यह दर्शाते हैं कि यहां धातु शोधन भी कार्य होता था।
- इसके अतिरिक्त अष्टभुजी धाम, हाटेश्वर नाथ मंदिर और देवतालाब मंदिर पुरातात्विक धरोहर के रूप में आम जनमानस के बीच पहले से ही प्रकाश में है।
- अष्टभुजी धाम और बहुती प्रपात के बीच वाले हिस्से की खुदाई करने पर प्रागैतिहासिक काल की सभ्यता के उजागर होने की संभावना दिखाई देती है।

## पांढुरना जिला (54वां जिला)

**जनसंख्या-** 193,818

**पटवारी हलके**-137

**तहसील-** पांढुर्णा और सौंसर

**भाषा:** हिंदी

- छिन्दवाड़ा जिले से अलग होकर नया "पांढुरना" जिला बना है
- पांढुरना जिले की सीमा
    - पूर्व में **छिन्दवाड़ा और नागपुर,**
    - पश्चिम में **बैतूल,**
    - दक्षिण में **अमरावती; नागपुर** और
    - उत्तर में **छिन्दवाड़ा जिले** तक रहेगी।

## पर्यटक एवं धार्मिक स्थल

### 1. चमत्कारी जामसांवली हनुमान मंदिर

- पांढुरना से करीब 25 km की दूरी पर है वही, नागपुर से लगभग 65 km दूरी पर स्थित है।
- शासकीय दस्तावेजों के अनुसार जमसावली मंदिर करीब 100 वर्षो पुराना है।
- यहां सबसे अधिक श्रद्धालु मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से पहुंचते हैं। जामसवली मंदिर की एक और खास बात ये भी है कि यहां हनुमान जी की मूर्ति की नाभि से जल निकलता है।
- भक्त इसे प्रसाद के रूप में लेते हैं। और इस मंदिर की मान्यता है कि यहां मानसिक स्थिति से पीड़ित लोगो को पवित्र जल से सुधार मिलता है।

### 2. पांढुरना का गोटमार मेला

- पांढुरना शहर में "गोटमार मेला" हर वर्ष पोला पर्व के दूसरे दिन भाद्रपद 'अमावस्या को मनाया जाता है।
- यह मेला 'जाम' नदी के तट पर मनाया जाता है। एक पलाश रूपी पेड़ के झंडे को जाम नदी के बीच लगाया जाता है
- मेला संपन्न होने पर इस पलाश रूपी झंडे को मां चंडिका के मंदिर में अर्पण किया जाता है। इस मेले की आराध्य देवी मां चंडिका है जो शहर के मध्य में पुरातन से स्थापित है।

### 3. अर्द्धनारीश्वर ज्योतिर्लिंग,

- मोहगाँव हवेली पांढुरना जिले के सौंसर तहसील से 5 km की दूरी पर मोहगांव में स्थित है।
- पुराणों के आधार पर इस ज्योतिर्लिंग को साढ़े बारहवां ज्योतिर्लिंग माना जाता है।

### 4. साई टेकडी लसाईबाबा मंदिर,

- पांढुरना यह मंदिर पांढुरना नगर का आस्था का केंद्र है और हर सप्ताह गुरुवार के दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन को आते है
- यह मंदिर शहर के पारडी रोड पर स्थित है।

**5. छत्रपति शिवाजी महाराज चौक**

- पांढुरना नगर के रेलवे स्टेशन रोड स्थित यह स्थान पांढुरना शहर में आने वाले पर्यटकों का आकर्षण का केंद्र है।
- जहा 'श्री छत्रपति शिवाजी महाराज"' की भव्य है

### अन्य पर्यटक स्थान

- चक्रवर्ती सम्राट राजा भोज (पांढुरना)
- शिव मंदिर, शनिदेव मंदिर अमरावती रोड (पांढुरना)
- देवगड़ किला (पांढुरना)
- घोघरा वाटर फाल्स (सौसर)
- वाध्या नाला एडवेंचर, '''भुम्मा मोहगांव बांध'''
- मोहि जलाशय , चंगोबा जलाशय
- भवानी माता मंदिर सावरगांव, छिंदवाड़ा
- विट्ठल रुखमई मंदिर, पंढरी वार्ड, पांढुरना
- श्री शनिदेव मंदिर, अमरावती रोड
- हज़रत गुंचा शाह वाली दरगाह, पांढुरना

## मैहर (55वां जिला)

- **क्षेत्रफल** 2,21,850 हैक्टेयर
- **ग्राम**- 654
- **पटवारी हल्के**- 234
- **जनसंख्या-** 742901
- **विकासखंड**- 3
- **ग्राम पंचायतें** -245
- **नगरीय निकाय**- 1 नगर पालिका,2 नगर परिषद
- **विधानसभा**- 2
- **भाषा:** हिंदी/बघेली
- **तहसील**- मैहर, अमरपाटन और रामनगर ।

### इतिहास

- मैहर का इतिहास पाषाण युग के बाद से पता लगाया जा सकता है। शक्तिपीठ श्री माता सतीजी के हार का त्रिकुट पर्वत पर गिर जाने से मैहर (माई का हार) नाम पड़ा जो कालांतर में मां शारदा के मन्दिर के रूप में प्रतिष्ठापित हुआ,
- यह कभी महिष्मति साम्राज्य के अंदर आता था बाद में प्रतिहार, पाल, गोंड, चंदेल, बघेल आदि राजाओं ने भी यहां माता के आशीर्वाद से राज्य किया,
- गौरतलब है की चंदेल राजाओं के महान सेनानायक आल्हा ऊदल माताजी के परम् भक्त थे
- यह राज्य 1778 में कुशवाहा शासकों, जो ओरछा के पास राज्य के शासक द्वारा दी गई भूमि पर स्थापित किया गया।
- राज्य में 19 वीं सदी में ब्रिटिश भारत के एक राजसी राज्य बना था और बुंदेलखंड एजेंसी के मध्य भारत एजेंसी में भाग के रूप में दिलाई.
- 1871 में बुंदेलखंड के पूर्वी राज्यों, मैहर सहित, मध्य भारत में बघेलखंड की नई एजेंसी फार्म अलग हो गए थे।
- 1933 मैहर में, दस अन्य राज्यों के साथ साथ पश्चिमी बघेलखंड में, वापस बुंदेलखंड एजेंसी को हस्तांतरित किया गया।
- राज्य अकाल से 1896-1897 में गंभीर रूप से सामना करना पड़ा. मंदिरों और अन्य भवनों का व्यापक खंडहर शहर के चारों ओर फैला है।

### प्रमुख तथ्य

**शारदा मन्दिर**

- मैहर में शारदा माँ का प्रसिद्ध मन्दिर है जो नैसर्गिक रूप से समृद्ध कैमूर तथा विंध्य की पर्वत श्रेणियों में तमसा नदी के तट पर त्रिकूट पर्वत की पर्वत मालाओं के मध्य 600 फुट की ऊंचाई पर स्थित है।
- यह ऐतिहासिक मंदिर 108 शक्ति पीठों में से एक है।
- यह पीठ सतयुग के प्रमुख अवतार नृसिंह भगवान के नाम पर 'नरसिंह पीठ' के नाम से भी विख्यात है।
- ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर आल्हखण्ड के नायक आल्हा व ऊदल दोनों भाई मां शारदा के अनन्य उपासक थे।
- पर्वत की तलहटी में आल्हा का तालाब व अखाड़ा आज भी विद्यमान है।
- यहाँ वर्ष में दोनों नवरात्रों में यहां मेला लगता है जिसमें लाखों यात्री मैहर आते हैं।
- मां शारदा के पास में प्रतिष्ठापित नरसिंहदेव जी की पाषाण मूर्ति आज से लगभग 1500 वर्ष पूर्व की है।

**मैहर घराना**

- मैहर, हिंदुस्तानी संगीत घराना के एक जन्मस्थान के रूप में भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रमुख स्थान है।
- भारतीय शास्त्रीय संगीत उस्ताद अलाउद्दीन खान लंबे समय के लिए यहां रहते थे इनकी 1972 मृत्यु हो गई

## भौगोलिक तथ्य

- **1 नवम्बर 2000** में म.प्र. से 30.47% क्षेत्र (1,35,361 किमी$^2$) अलग करके **छतीसगढ़** नाम से एक नया राज्य बनाया गया
- **भौगोलिक दृष्टि** से, मध्य प्रदेश भारत के **मध्य उच्च भूमि** का **पूर्वी भाग** है।
- **कर्क रेखा** लगभग यहीं से होकर गुजरती है **मध्य प्रदेश के 14 जिलों से** होते हुए:

**PEB ANM 2016, MP Constable 2017, MP Patwari 2017, PEB Patwari 2018**

- शहडोल, उमरिया, कटनी, जबलपुर, दमोह, सागर, रायसेन, विदिशा, भोपाल, सीहोर, राजगढ़, आगर-मालवा, उज्जैन, रतलाम
- **कर्क रेखा** लगभग **नर्मदा नदी** के **समानांतर** है
- राज्य के **पश्चिमी भाग** में **डेक्कन ट्रैप** तथा **पूर्वी भाग** में विंध्य पर्वत श्रृंखला मौजूद है।
- मध्य प्रदेश की **जलवायु उपोष्णकटिबंधीय** है।

## मध्य प्रदेश के पड़ोसी राज्य और जिले

| मध्य प्रदेश के सीमावर्ती राज्य | मप्र के जिले जो अन्य राज्यों के साथ सीमा बनाते हैं | सीमावर्ती राज्यों के जिले जो मप्र के साथ सीमा बनाते हैं |
|---|---|---|
| **उत्तर प्रदेश** | **14 जिले**<br>मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, सागर, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सिंगरौली, मऊगंज | **12 जिले**<br>आगरा, इटावा, झाँसी, ललितपुर, हमीरपुर, बांदा, जालौन, प्रयागराज (इलाहाबाद), मिर्ज़ापुर, महोबा, सोनभद्र, चित्रकूट |
| **राजस्थान** | **10 जिले**<br>झाबुआ,रतलाम, मंदसौर, नीमच, अगर-मालवा, राजगढ़, गुना, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना<br>**(MP Police Cons. 2016, 2022)** | **10 जिले**<br>बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, कोटा, झालावाड़, बारां, सवाई- माधोपुर, करौली, धौलपुर |
| **महाराष्ट्र**<br>**MPPEB Police Cons. 2022** | **9 जिले**<br>अलीराजपुर, बड़वानी , खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा , सिवनी , बालाघाट। | **8 जिले**<br>धुले, अमरावती, नागपुर, भंडारा, बुलढाणा, जलगांव, नंदुरबार, गोंदिया |
| **छत्तीसगढ**<br>**MPPEB Police Cons. 2022** | **7 जिले**<br>सीधी, सिंगरौली , शहडोल , मंडला , अनुपपुर , डिंडोरी, बालाघाट । | **7 जिले**<br>सूरजपुर , कोरिया , मुंगेली , बिलासपुर, कबीरधाम (कवर्धा), बलरामपुर , राजनांदगांव |
| **गुजरात** | **2 जिले**<br>झाबुआ और अलीराजपुर | **2 जिले**<br>छोटा उदयपुर और दाहोद |

- मध्यप्रदेश की सीमा 5 राज्यों से लगती है -राजस्थान गुजरात उतर प्रदेश छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र। **MPPSC Pre - 2020**
- मध्य प्रदेश की **अधिकतम सीमा उत्तर प्रदेश** से लगती है (14 जिले)
- **न्यूनतम सीमा गुजरात** के साथ लगती है (2 जिले)
- मप्र के वह जिले जो अधिकतम अंतरराज्यीय सीमा साझा करते है: सिंगरौली, झाबुआ, बालाघाट, मुरैना, शिवपुरी, अलीराजपुर
- मध्य प्रदेश का रीवा 80° पूर्वी देशांतर पर या उसके निकट है।
- एकमात्र जिला जो अपने दो विपरीत सीमाओं को दो राज्यों से साझा करता है : **शिवपुरी** (पूर्व में यूपी और पश्चिम में राजस्थान)।
- एकमात्र ऐसा जिला जिसकी सीमा छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश से लगती है: **सिंगरौली**
- एकमात्र जिला जिसकी सीमा छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से लगती है: **बालाघाट** **MP PEB Police Cons. 2022**
- एकमात्र जिला जिसकी सीमा गुजरात और महाराष्ट्र से लगती है: **अलीराजपुर** **MPPSC Pre - 2018**
- एकमात्र जिला जिसकी सीमा गुजरात और राजस्थान से लगती है: झाबुआ
- मप्र का सबसे बड़ा पड़ोसी राज्य: **राजस्थान**
- मध्य प्रदेश के साथ सबसे लंबी सीमा साझा करने वाला राज्य: **उत्तर प्रदेश**
- जनसंख्या की दृष्टि से मप्र का सबसे बड़ा पड़ोसी राज्य: **उत्तर प्रदेश**

| मध्य प्रदेश में स्थित महत्वपूर्ण बिंदु | |
|---|---|
| **पृथ्वी का केंद्र** | मंगलनाथ मंदिर (उज्जैन) |
| **भारत का केंद्र** | करौंदी (कटनी) |
| **वर्तमान भारत का केंद्र** | विदिशा |
| **मध्य प्रदेश का केंद्र** | सागर |
| **मप्र के पूर्व और पश्चिम सीमा के बीच समय अन्तराल** | 34 मिनट |
| उन जिलों की संख्या जिनसे होकर **कर्क रेखा** गुजरती है | 14 |
| मप्र का एकमात्र जिला जहां से **G.M.T. लाइन** गुजरती है | सिंगरौली |
| मप्र का **पहला सनराइज प्वाइंट** | सिंगरौली |
| मप्र का **आखिरी सनसेट प्वाइंट** | आलीराजपुर |
| मप्र का **निकटतम देश** | नेपाल |
| मप्र के **सबसे नजदीक समुद्र** | अरब सागर |

| मध्य प्रदेश एक नजर में | |
|---|---|
| **गठन** | 1 नवम्बर 1956 |
| **राजधानी** | भोपाल |
| **जनसंख्या** | 7,26,26,809 |

| | |
|---|---|
| **क्षेत्रफल** | 3,08,000 वर्ग. किमी. |
| **राज्य का जनसंख्या घनत्व** | 236 व्यक्ति प्रति वर्ग. किमी. |
| **कुल जिले** | 55 |
| **संभागों की संख्या** | 10 |
| **कुल ब्लॉक** | 313 |
| **राज्य की सबसे बड़ी तहसील (क्षेत्रफल)** | इंदौर |
| **राज्य की सबसे छोटी तहसील (क्षेत्रफल)** | अजयगढ़ (पन्ना) |
| **नगर पालिका** | 99 |
| **नगर परिषद** | 294 |
| **कुल ग्राम** | 54903 |
| **जिला पंचायत** | 52 |
| **आदिवासी विकास खंड** | 89 |
| **राज्य का अन्य नाम** | मध्य प्रांत और बरार प्रांत, हृदय प्रदेश, सोया राज्य, बाघ राज्य, तेंदुआ राज्य |
| **उच्च न्यायालय** | जबलपुर (बेंच - इंदौर, ग्वालियर) |
| **राज्य पशु** **MP PSC 2014, MP Police Cons. 2017, MP Group 2, Assistant Director (Social Justic And Disabled Welfare Dept. ) 2021** | बारहसिंगा |
| **राज्य पुष्प** **Drug Inspector 2013, MP Group- 2 2017** | सफ़ेद लिली |
| **राज्य पक्षी** | दूधराज (एशियन पैराडाइज़ फ्लाईकैचर) |
| **राज्य वृक्ष** **MPPSC Forestry & Science - 2022, PED 2013, MP Group 2017, 2018 Assistant Director 2019** | बरगद |
| **राज्य खेल** **MP PSC 2009, MP ANM 2013, MP Police Cons. 2017 MP SI 2017** | मलखम्ब |
| **राज्य नृत्य** | राई |
| **राज्य चिह्न** | गेंहूँ और धान की बालियां , बरगद का पेड़, सिंह शीर्ष |

| | |
|---|---|
| **राज्य नदी** | नर्मदा |
| **राजकीय रंगमंच** | माच |
| **आधिकारिक गान** | मेरा मध्य प्रदेश है (संगीतकार - महेश श्रीवास्तव) |
| **राज्य मछली** | महशीर (2013 में घोषित) नर्मदा, केन, बेतवा, ताप्ती और चम्बल नदियों में पाई जाति है । |
| **राज्य फल** | आम **MP Group 2017** |
| **राज्य फसल** | सोयाबीन |
| **राज्य में प्रथम** | |
| **प्रथम राज्यपाल** | डॉ. पट्टाभि सीतारमैया **MP ANM 2012, PEB ANM 2018, State Forest Ser (Mains) Exam 2019** |
| **प्रथम महिला राज्यपाल** | सुश्री सरला ग्रेवाल **MP High School TET 2019** |
| **प्रथम मुख्यमंत्री** | पंडित रविशंकर शुक्ल **PEB Patwari 2018** |
| **प्रथम महिला मुख्यमंत्री** | सुश्री उमा भारती **PEB Group -1 Graduate Salection Test 2016, MP High School Test 2019** |
| **विधान सभा के प्रथम अध्यक्ष** | पंडित कुंजीलाल दुबे |
| **विधान सभा के प्रथम उपाध्यक्ष** | विष्णु विनायक सरवटे |
| **प्रथम विपक्ष के नेता** | श्विष्णुनाथ यादवराव तामस्कर |
| **उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश** | मोहम्मद हिदायतुल्लाह **PEB Patwari 2018, MP Vyapam Sub Engineer Electrical 2018** |
| **प्रथम मुख्य सचिव** | एच.एस. कामथ |
| **प्रथम चुनाव आयुक्त** | एन.बी. लोहानी |
| **प्रथम लोकायुक्त** | पी.वी .दीक्षित |
| **प्रथम राज्य सूचना आयुक्त** | टी.एन. श्रीवास्तव |
| **प्रथम वित्त आयोग के अध्यक्ष** | डॉ. सवाई सिंह सिसौदिया |

# 2 CHAPTER मध्य प्रदेश के प्राकृतिक भौगोलिक प्रभाग

## मध्य प्रदेश का भूविज्ञान

- मध्य प्रदेश में **आर्कियन युग से लेकर क्वाटरनरी काल** तक की चट्टानें पाई जाती हैं।
- मध्य प्रदेश की चट्टानी प्रणाली को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

**1. <u>आर्कियन चट्टानें</u>**

- ये **सबसे पुरानी प्राथमिक चट्टानें** होती हैं
- इनका निर्माण मैग्मा के ठंडा होने और जमने से होता है।
- प्री-कैम्ब्रियन चट्टानें और पुराण चट्टानें भी कहा जाता है।
- ये मध्य प्रदेश के उत्तर, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भाग जैसे बुन्देलखण्ड और विंध्य पर्वतमाला में पायी जाती हैं।

**MPPSC Forest Ser. 2019**

- ग्रेनाइट, शिस्ट और नीस यहाँ पाए जाने वाले कुछ खनिज हैं।
- इनमें किसी प्रकार के जीवाश्म नहीं पाए है ।

**2. <u>धारवाड़ चट्टानें</u>**

- भारत की **सबसे पुरानी रूपांतरित चट्टानें** हैं।
- ये आर्कियन चट्टानों से प्राप्त तलछट के परिवर्तन के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई हैं
- इसमें जीवाश्मों की कमी है।
- इसमें स्लेट, शिस्ट, नीस, ग्रेनाइट आदि कुछ खनिज पाए जाते हैं।
- मध्य प्रदेश में यह श्रृंखला में पाई जाती है
  a) **चिल्पी श्रृंखला (बालाघाट):** खनिज : फाइलाइट, क्वार्टजाइट, ग्रीनस्टोन
  b) **सौंसर श्रृंखला (छिंदवाड़ा):** खनिज: अभ्रक, संगमरमर, मैंगनीज
  c) **साकोली श्रृंखला (जबलपुर):** खनिज: अभ्रक, डोलोमाइट
  d) **क्लोजपेट श्रृंखला (बालाघाट और छिंदवाड़ा):** खनिज: फाइलाइट, क्वार्टजाइट, कॉपर पाइराइट।

**3. <u>कुडप्पा चट्टानें</u>**

- जब तलछटी चट्टानें और मिट्टी अपक्षय और कटाव के माध्यम से बनती हैं जो **सिंकलिनल सिलवटों** (दो पहाड़ों के बीच) में जमा होती हैं।
- कुडप्पा और विंध्यन चट्टान प्रणालियों को एक साथ पुराण चट्टान प्रणाली के रूप में जाना जाता है।
- मध्य प्रदेश की आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण चट्टानें क्योंकि यह लौह, मैंगनीज, तांबा आदि खनिजों से बनी हैं।
- मध्य प्रदेश में चट्टानों की निम्न श्रृंखलायें पाई गई है

**a) बिजावर श्रृंखला**

- **खनिज:** बलुआ पत्थर, चूना पत्थर आदि
- इस चट्टान की परतों के बीच पाई जाने वाली बेसाल्ट चट्टानों में हीरा पाया जाता है।
- यह पन्ना और छतरपुर में पायी जाती है

**b) ग्वालियर श्रृंखला**

- **खनिज:** बलुआ पत्थर, शेल बेसाल्ट लावा।

**4. <u>विंध्य चट्टानें</u>**

- कुडप्पा चट्टानों के बाद नदी घाटियों और उथले महासागरों के गाद जमाव से निर्मित।
- यह उत्तर भारत के मैदानी इलाकों और प्रायद्वीपीय भाग के बीच एक विभाजन रेखा के रूप में कार्य करता है।
- इस श्रेणी की **सबसे ऊँची चोटी सद्भावना शिखर** (752 मी.) है।
- यह आम तौर पर पन्ना और ग्वालियर में पायी जाती है।
- **खनिज:** चूना पत्थर, बलुआ पत्थर, शेल।
- ये लाल रंग के होते हैं और ऐतिहासिक स्मारकों (सांची, बरहुत स्तूप, लाल किला) के निर्माण में उपयोग किए जाते हैं।
- इसे **निम्न विंध्यन चट्टानों** और उच्च **विंध्यन चट्टानों** के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

**A.** निम्न **विंध्य चट्टानें**

**a) अर्ध श्रृंखला (उत्तर-पूर्व क्षेत्र)**

- यह सोन नदी घाटी में स्थित है ।
- इसमें गुम्बदनुमा घाटियाँ पाई जाती हैं।
- खनिज: बलुआ पत्थर, चूना पत्थर।

**B.** उच्च **विंध्य चट्टानें**

**a) कैमूर श्रृंखला**

- खनिज: बलुआ पत्थर, शेल
- यह पन्ना, सतना और रीवा जिलों में पायी जाती है ।
- यह यमुना और सोन के बीच जल विभाजक के रूप में कार्य करती है

**b) भांडेर श्रृंखला** **MPPSC Pre - 2016**

- **खनिज:** बलुआ पत्थर, चूना पत्थर
- **यह सागर, सतना और दमोह जिले** में पायी जाती है ।

**c) रीवा सीरीज**

- **खनिज:** बलुआ पत्थर, चूना पत्थर, हीरा
- यह सागर, दमोह जिले में पायी जाती है ।

**5. गोंडवाना चट्टानें**

**MP Patwari 2018, PEB Patwari 2018, Dental Surgeon 2019**

- यह कार्बोनिफेरस और जुरासिक काल के बीच निर्मित हैं।
- पर्मो-कार्बोनिफेरस समय में जमा हुई जलीय चट्टानों का एक अनूठा अनुक्रम बनाती है ।
- इसे हम निम्न गोंडवाना चट्टानों और उच्च गोंडवाना चट्टानों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

**A. निम्न गोंडवाना चट्टानें**

**a) तालचेर श्रृंखला**

- यहाँ **कोयले का सबसे बड़ा भंडार** है
- **खनिज**: कोयला
- यह सीधी, सीधी और शहडोल जिलों में पायी जाती है ।

**B. उच्च गोंडवाना चट्टानें**

**a) महादेव श्रृंखला**

- इसमें **कोयले का भण्डार प्रचुर मात्रा** में पाए जाते है।
- यह सीधी जिले में पायी जाती है ।

**b) जबलपुर श्रृंखला**

- यहां **जुरासिक काल के अवशेष** मिलते हैं
- खनिज: चूना पत्थर, बलुआ पत्थर
- यह सीधी, शहडोल जिले में पायी जाती है ।

**6. क्वाटरनेरी चट्टानें**

- यह नदियों के तलछटी निक्षेपों से निर्मित है ।
- यह नर्मदा, ताप्ती नदी की घाटी में पायी जाती है ।
- यहां धजरी, सिगार पर्वत श्रृंखला स्थित है।

## मध्य प्रदेश का भौगोलिक संभाग

➢ अविभाजित मध्य प्रदेश में 9 फिजियोग्राफिक डिवीजन थे, जबकि अब तक, मध्य प्रदेश में 3 भौगोलिक संभाग हैं।

➢ मध्य प्रदेश के सात प्राकृतिक विभाजन हैं

1. **केन्द्रीय उच्च भूमि**
   a) मध्य भारत का पठार
   b) रीवा-पन्ना पठार
   c) नर्मदा-सोन घाटी
   d) बुन्देलखण्ड पठार
   e) मालवा का पठार
2. **सतपुड़ा मैकाल श्रेणी**
3. **बघेलखंड पठार**

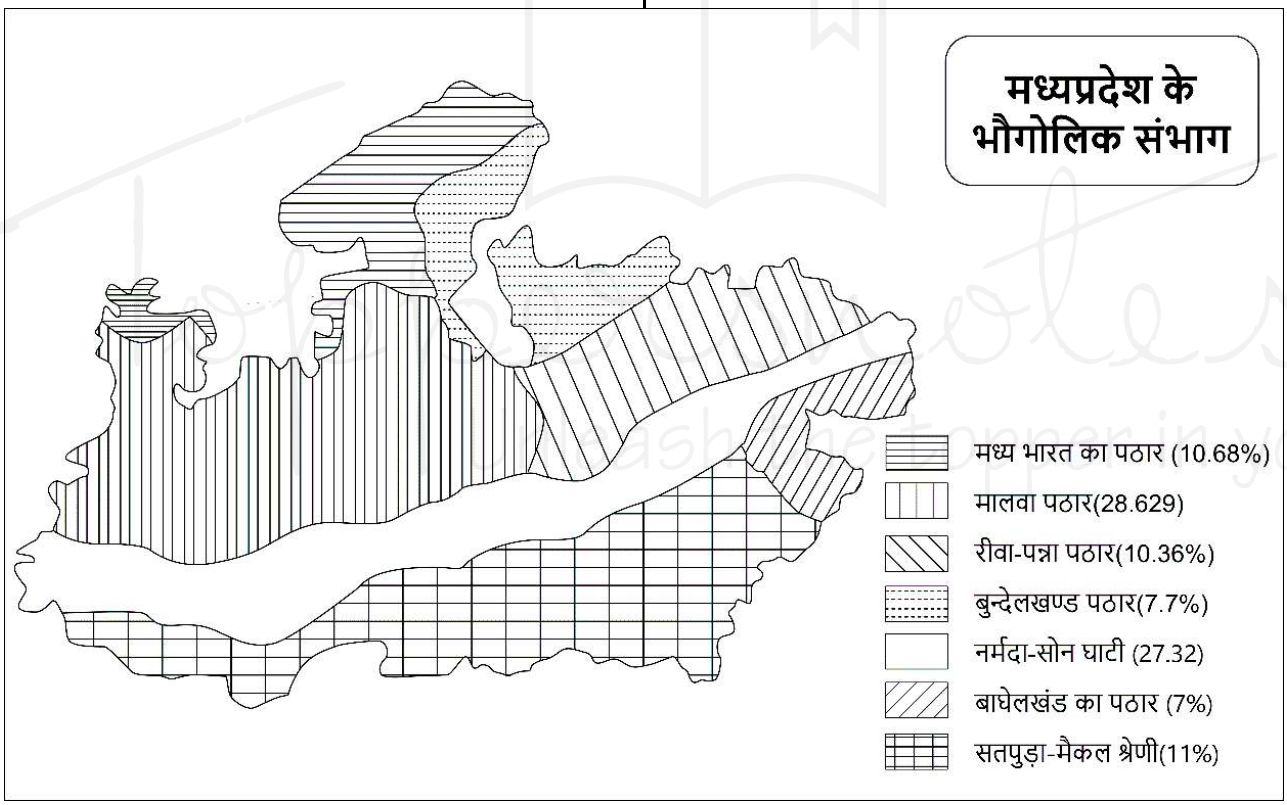


**1. केन्द्रीय उच्च भूमि**

➢ **स्थान:** नर्मदा-सोन घाटी और अरावली के बीच।

➢ यह आर्कियन, धारवाड़ और डेक्कन ट्रैप की चट्टानों से निर्मित है ।

➢ उत्तरी सीमा का निर्माण यमुना नदी द्वारा किया गया है।

➢ यह मध्य प्रदेश के संपूर्ण क्षेत्रफल के लगभग 2/3 भाग में फैला हुआ है

**a) मध्य भारत का पठार**

- **स्थान:** मध्य प्रदेश का उत्तर पश्चिमी क्षेत्र।
- **कुल क्षेत्रफल :** 32896 वर्ग किमी [मध्य प्रदेश का 10.6%] 20°10'-26.48°N, 74.5-79.1°E को कवर करता है
- **जिले:** ग्वालियर, भिंड, शिवपुरी, शूपुर, मुरैना, मंदसौर , नीमच
- **नदियाँ:** चंबल, सिंध, पार्वती, कुवारी

- **फसलें**: गेहूं, ज्वार, अलसी, तिल, सरसों (अधिकतम)
- इसके अनेक भाग पहाड़ी एवं लहरदार हैं।
- यहाँ मिट्टी मुख्य रूप से जलोढ़ है।
- मध्य भारत क्षेत्र के पठार में कम वर्षा होती है तथा इस क्षेत्र में भिंड जिले में ही सबसे कम वर्षा (55 से.मी.) होती है।
- चम्बल घाटी इसी भौगोलिक मण्डल में स्थित है

**MPPSC Pre - 2016**

- इस क्षेत्र में बबूल, खैर और शीशम के उपोष्णकटिबंधीय जंगल हैं।
- यहां सहरिया जनजाति पाई जाती है।

**b) <u>बुन्देलखण्ड पठार</u>**

- **स्थान:** रीवा-पन्ना पठार के उत्तर पश्चिम में स्थित
- **कुल क्षेत्रफल:** 23733 वर्ग किमी [मध्य प्रदेश का 7.71%]।
- **जिले:** टीकमगढ़, दतिया, छतरपुर और शिवपुरी, ग्वालियर और भिंड की कुछ तहसीलें
- **नदियाँ:** बेतवा, सिंध, केन, धसान
- **मिट्टी:** इस क्षेत्र में मिश्रित मिट्टी अधिक प्रचलित है।
- **फसलें:** गेहूं, ज्वार, तिल
- बुन्देलखण्ड की सबसे ऊँची चोटी - **सिद्ध बाबा चोटी [1172 मीटर]**
- बुन्देलखण्ड का पठार ग्रेनाइट और नीस की चट्टानों से बना है।
- इसकी जलवायु महाद्वीपीय है और वर्षा 75-100 सेमी के बीच होती है।
- खजुराहो इसी क्षेत्र में स्थित है।
- यहां रॉक फॉस्फेट पाया जाता है।

**c) <u>मालवा का पठार</u>**

- **स्थान**: मध्य प्रदेश का संपूर्ण पश्चिमी क्षेत्र।
- **कुल क्षेत्रफल** 85322 वर्ग किमी [मध्य प्रदेश का 28%] है।
- **जिले:** इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, रलताम, रायसेन

**MPPSC Pre - 2021**

- **नदियाँ**: नर्मदा, सोन
- **मिट्टी**: यह काली लेटराइट मिट्टी वाला डेक्कन ट्रैप का क्षेत्र है।
- **फसलें:** गेहूं, ज्वार, तिल
- इस पठार का निर्माण डेक्कन ट्रैप की चट्टानों से हुआ है।
- इंदौर की सूती मिलें, नागदा की कृत्रिम रेशम और विजयपुर की उर्वरक मिलें प्रसिद्ध हैं।।
- मालवा पठार की **सबसे ऊँची चोटी सिगार** है [881 मीटर]
- **जलवायु**: उष्णकटिबंधीय मानसून प्रकार जिसमें औसत वर्षा लगभग 120-130 सेमी होती है।
- यह मध्य प्रदेश के सर्वाधिक समृद्ध क्षेत्रों में से एक है।

**d) <u>नर्मदा-सोन घाटी</u>**

- **स्थान:** यह मालवा पठार और सतपुड़ा पर्वतमाला के बीच स्थित है
- **कुल क्षेत्रफल** 86000 वर्ग किमी [मध्य प्रदेश का 27.9%] है।
- **जिले:** जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, रायसेन, खंडवा, धार और देवास ।
- **नदियाँ:** बेतवा, चंबल, गंभीर, कालीसिंध , शिप्रा,
- **मिट्टी**: इस क्षेत्र में गहरी काली मिट्टी पाई जाती है।
- **फसलें:** गेहूं, ज्वार, कपास।
- यह क्षेत्र उत्तर-पूर्व से पश्चिम तक फैली हुई नर्मदा और सोन नदियों द्वारा सिंचित है।
- **जलवायु**: यहाँ विशिष्ट मानसून-प्रकार की जलवायु प्रचलित है, और औसत वर्षा लगभग 125 सेमी है।
- सोन घाटी में साल के पेड़ भी पाए जाते हैं।

**e) <u>रीवा-पन्ना पठार</u>**

- **स्थान:** यह मालवा पठार और सतपुड़ा पर्वतमाला के बीच स्थित है
- **कुल क्षेत्रफल** 31954 वर्ग कि.मी. [मध्य प्रदेश का 10.36%] है
- **जिले:** इस क्षेत्र में दमोह, सतना, रीवा, पन्ना और सागर शामिल हैं।
- **नदियाँ:** टोंस, केन और सोन
- **मिट्टी:** इस क्षेत्र में लेटराइट मिट्टी प्रमुख है।
- **जलवायु:** महाद्वीपीय प्रकार और वर्षा लगभग 125 सेमी है
- **फसलें:** गेहूं, ज्वार और तिलहन।
- यहाँ मझगांव और राम खेड़िया में हीरे पाए जाते हैं।
- यहाँ सीमेंट उद्योग सतना, रीवा और कटनी में भी है

**2. <u>सतपुड़ा -मैकाल श्रेणी</u>**

- **स्थान:** यह गुजरात से पूर्व की ओर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की सीमाओं से होते हुए पूर्व में छत्तीसगढ़ तक निकलती है।
- **कुल क्षेत्रफल** 34000 वर्ग किमी [मध्य प्रदेश का 11%] है
- **जिले:** बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, बैतूल, खंडवा और खरगोन
- **नदी:** तापी
- **मिट्टी:** इस क्षेत्र में गहरी काली मिट्टी पाई जाती है।
- **प्रमुख फसल:** गेहूं, चावल और कपास के साथ ज्वार।
- यहाँ पाई जाने वाली श्रेणियाँ: राजपीपला, सतपुड़ा और मैकाल है।
- वर्षा 125 से 175 सेमी के बीच होती है और जलवायु मानसून-प्रकार की होती है।

**MPPSC Pre – 2015, 2016, 2018**

- यह क्षेत्र खनिजों से समृद्ध है।
- इसमें मध्य प्रदेश की सबसे ऊंची धूपगढ़ (1350 मीटर) चोटी है – **MP Police Constable 2022**

**3. <u>बाघेलखंड पठार</u>**

- **स्थान:** बाघेलखंड पठार मध्य प्रदेश के उत्तर-पूर्व में दक्षिणी प्रायद्वीपीय पठार के पूर्वी भाग के रूप में स्थित है
- बाघेलखंड पठार के उत्तर में उत्तर प्रदेश, पूर्व में बिहार और दक्षिण-पूर्व में छत्तीसगढ़ राज्य है और दक्षिण में सोन नदी इसकी सीमा बनाती है।
- **नदी:** सोन नदी
- **मिट्टी:** लाल-पीली मिट्टी
- जलवायु मानसून प्रकार की है और वर्षा 125 से 175 सेंटीमीटर के बीच होती है।
- प्रमुख फसल: ज्वार
- **जिले:** इस क्षेत्र में शहडोल, उमरिया, सीधी, सिंगरौली और डिंडोरी शामिल हैं।
- यह गोंडवाना और विंध्यन चट्टान समूहों से बना है।
- यहां औसतन 125 सेमी वर्षा होती है
- मध्य प्रदेश की ऊर्जा राजधानी सिंगरौली इसी क्षेत्र में स्थित है और यह क्षेत्र कोयले से समृद्ध है।
- **कर्क रेखा इस पठार के मध्य से होकर गुजरती है।**

## मध्य प्रदेश के पहाड़ **MPPSC Pre - 2016**

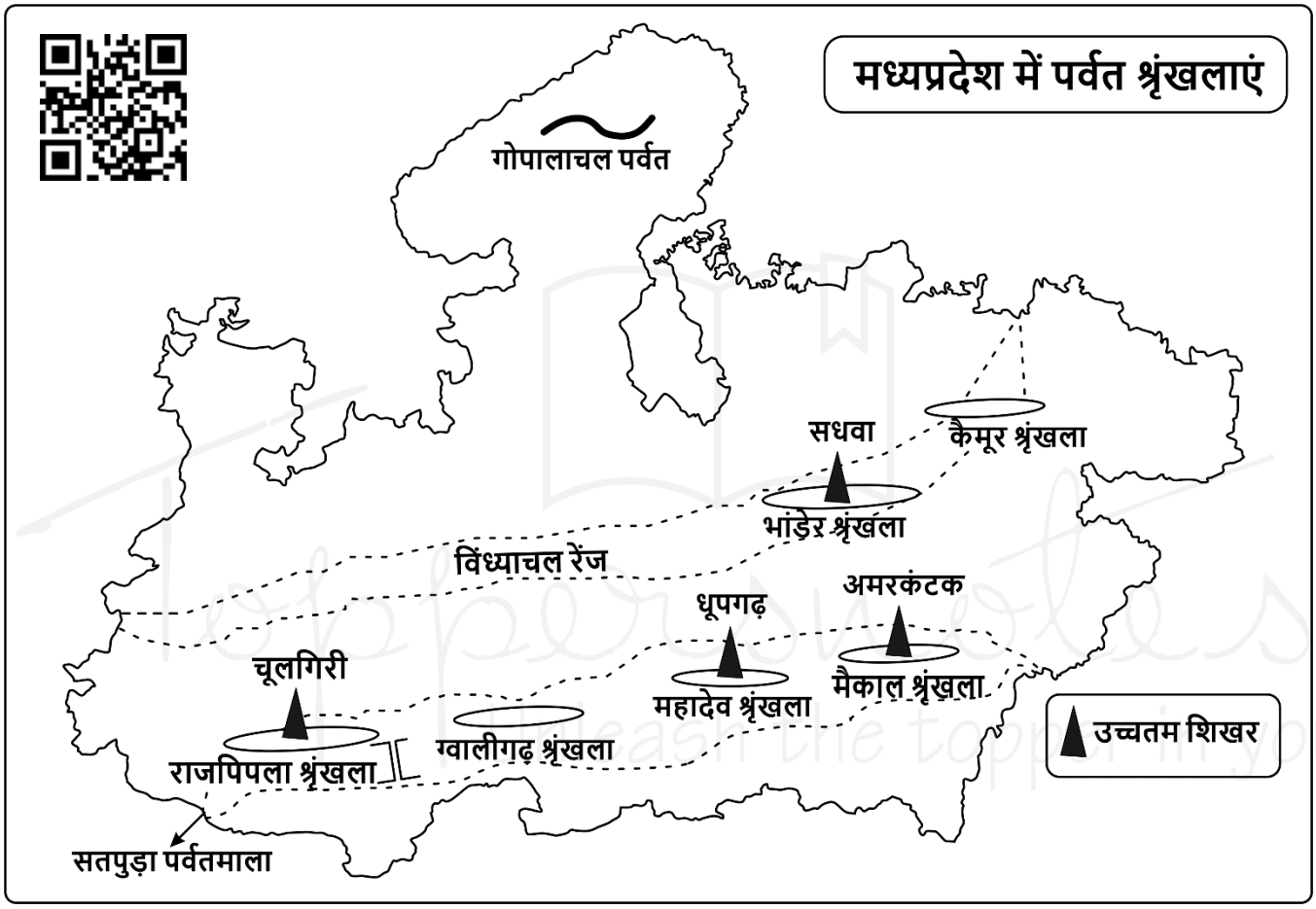


**सतपुड़ा पर्वत पर्वतमाला**

- मध्य प्रदेश राज्य, महाराष्ट्र राज्य, छत्तीसगढ़ राज्य और गुजरात राज्य में स्थित है।
- कई नदियों के कारण इसे अक्सर जलग्रहण क्षेत्र कहा जाता है ।
- **विस्तार:** इसका विस्तार पश्चिम में राजपीपला पर्वत से पूर्व में मैकाल पर्वत तक हैं।
- यह नर्मदा और ताप्ती के बीच जल विभाजन का कार्य करती है ।
  - सतपुड़ा क्षेत्र में पश्चिम से पूर्व बड़वानी, महादेव, मैकाल तक पर्वतमालाओं का स्थान है

**MPPSC VCS Exam 2023**

- **पहाड़ियाँ:** बड़वानी पहाड़ी (641 मीटर), कालीभीत चोटी (770 मीटर), बिजलगढ़ पहाड़ी (849 मीटर), पचमढ़ी (1067 मीटर)
  - धूपगढ़ (1350 मीटर) स्थित है होशंगाबाद ।
  - पचमढ़ी (1067 मीटर) पहाड़ी को **"सतपुड़ा की रानी"** भी कहा जाता है ।
- इस श्रेणी को तीन भागों में विभाजित किया गया है
  - **a) <u>पश्चिमी सतपुड़ा पर्वतमाला</u>**
    - गुजरात - मध्य प्रदेश सीमा से लेकर बुरहानपुर तक फैला हुआ है
    - **पहाड़ियाँ:** राजपीपला**,** बड़वानी, बीजागढ़। अखरानी, असीरगढ़ **MPPSC Pre - 2023**

- यहीं से ताप्ती नदी का उद्गम होता है।

**MPPSC Pre - 2020**

- इस श्रेणी की चट्टानें आग्नेय चट्टानों का हिस्सा हैं।

**b) <u>पूर्वी सतपुड़ा पर्वतमाला</u>**

- यह बुरहानपुर के पूर्व में स्थित है
- इसके दक्षिण में महादेव पहाड़ियाँ स्थित हैं।

**MPPSC Taxation Asst. 2022**

**c) <u>मैकाल पर्वतमाला</u>**

- यह मध्य प्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है
- यह आकार में गोलाकार है
- सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला की दूसरी सबसे ऊंची चोटी अमरकंटक (1064 मीटर) यहीं स्थित है।

**State Forest Ser. MP 2024**

- मध्य प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी स्थित है

**1. <u>विंध्याचल पर्वतमाला</u>**

- यह कार्टजाइट द्वारा निर्मित है
- नर्मदा के उत्तर में स्थित है (पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है)।
- यह मध्य प्रदेश की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला है।
- इसके पूर्वी विस्तार को कैमूर एवं भांडेर कहा जाता है।

**MPPSC Pre - 2019**

- यहीं से बेतवा नदी निकलती है।
- विंध्याचल की सबसे ऊंची चोटी : जानापाव पहाड़ी (854 मीटर) जो कि महू , इंदौर जिले में स्थित है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

# 3 CHAPTER

# मध्य प्रदेश का अपवाह तंत्र

## मध्य प्रदेश में अपवाह तंत्र

- मध्य प्रदेश में जल निकासी प्रणाली को मुख्यतः 6 प्रणालियों में विभाजित किया गया है।
- **गंगा अपवाह तंत्र को** तीन उप प्रणालियों में विभाजित किया गया है।
  - **यमुना:** मुख्य नदियों में चंबल, सिंध, जामनी , बेतवा, धसाना , केन, पेसुनी, बैथन आदि शामिल हैं।
  - टोंस: मुख्य नदियों में बीहड़ , महान आदि शामिल हैं।
  - सोन: मुख्य नदियों में जोहिला , बालम्स, रिहंद , कनहर आदि शामिल हैं।
- नर्मदा अपवाह तंत्र
- ताप्ती अपवाह तंत्र
  - मुख्य नदियों में पूर्णा, गिरना, गोपद, अंबोरा, बाकी, बुरई, तितुर, उतावली और कालीभीत शामिल हैं।
- गोदावरी अपवाह तंत्र
  - इसमें पाँच उपप्रणालियाँ हैं, वेनगंगा, बावनथडी, कन्हान और पेंच।
- माही अपवाह तंत्र
- महानदी अपवाह तंत्र

## मध्य प्रदेश की नदियाँ

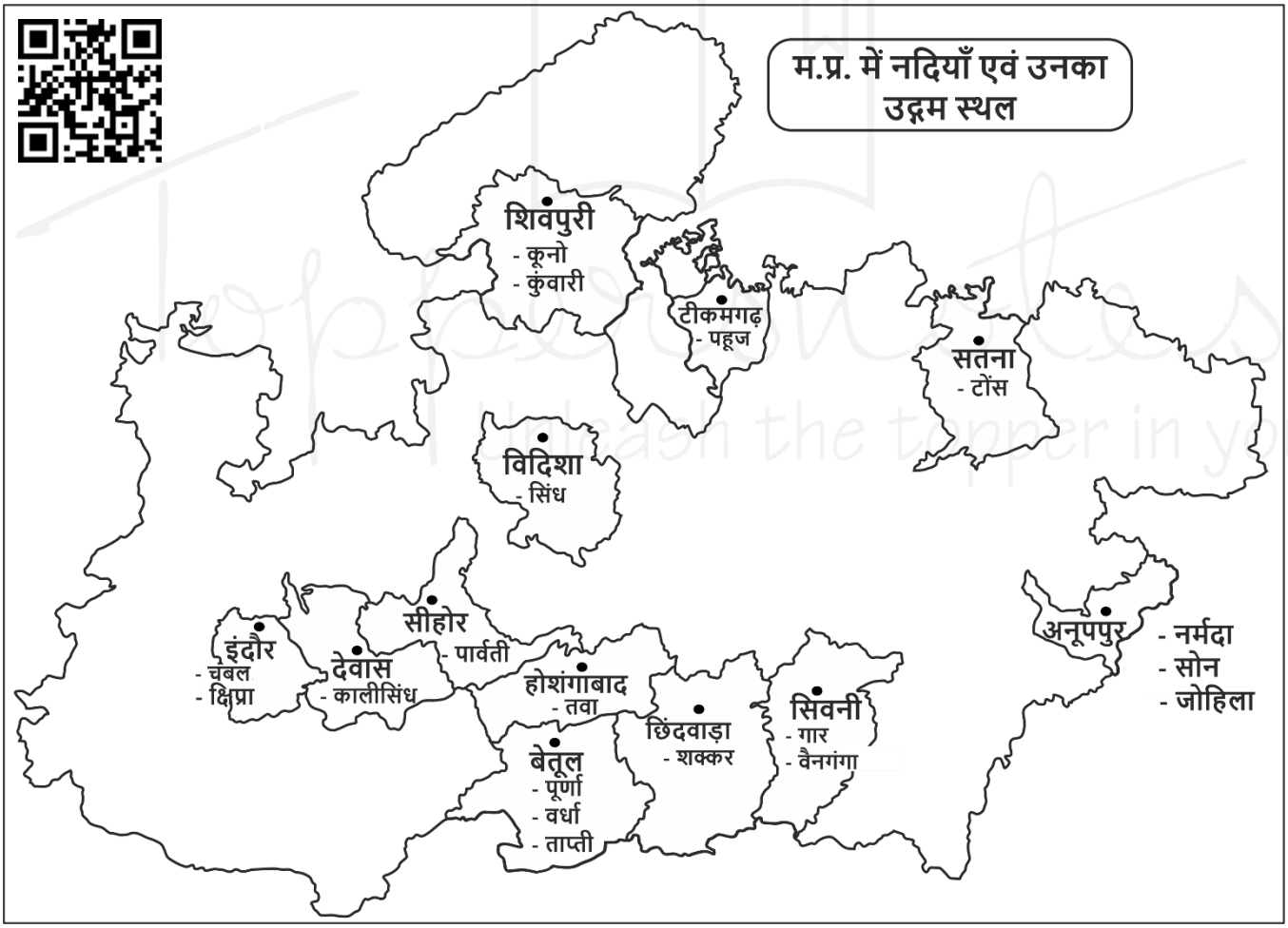

# नर्मदा नदी

**State Forest Ser. MP 2021, 2024**

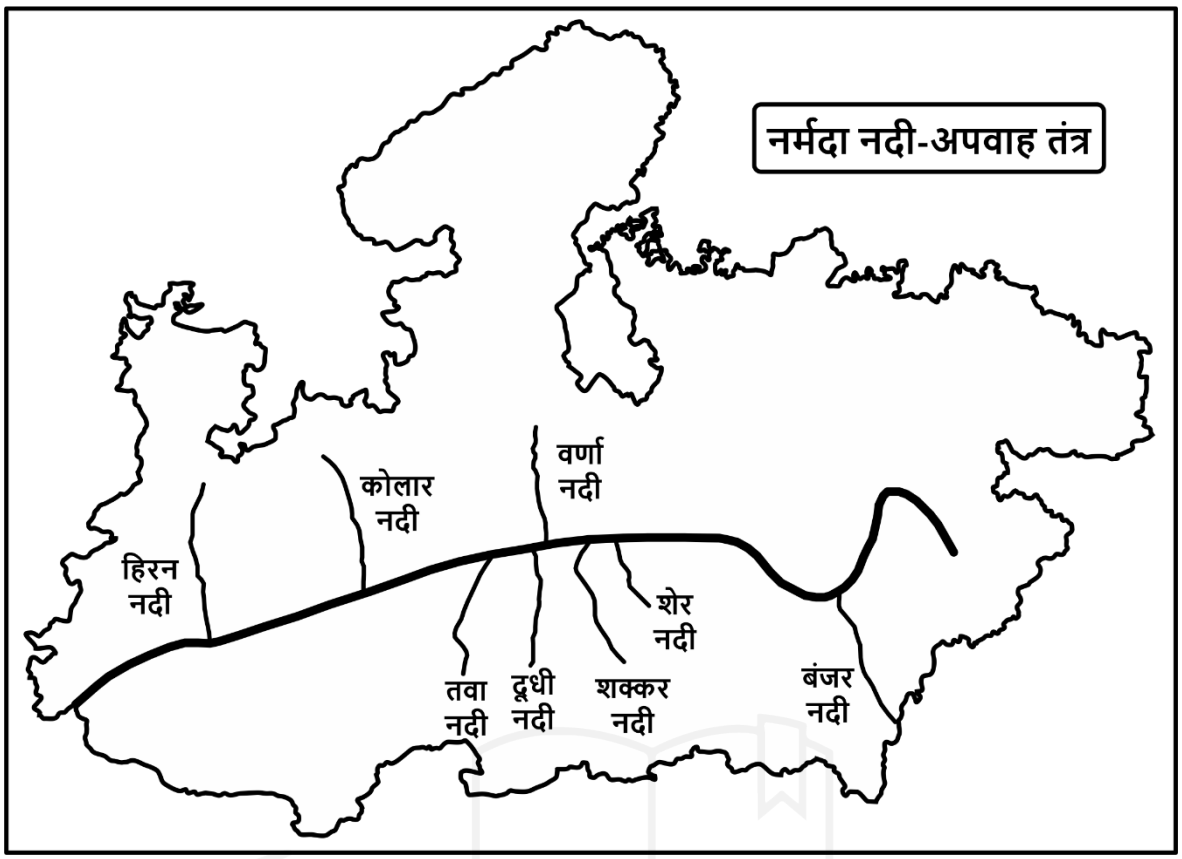


## लंबाई

- कुल लंबाई 1312 किमी
- मध्य प्रदेश में लंबाई 1077 किमी
- नदी का कुल बेसिन क्षेत्र 97,410 वर्ग किलोमीटर है जिसमें मध्य प्रदेश में 85,858 वर्ग किलोमीटर, महाराष्ट्र में 1658 वर्ग किलोमीटर और गुजरात में 9894 वर्ग किलोमीटर शामिल है।
- जलग्रहण क्षेत्र 98796 वर्ग किमी है

## उद्गम/समाप्ति स्थल

- अमरकंटक अनूपपुर जिला मैकल पहाड़ियों में स्थित है
- 15 जिलों शहडोल, मंडला, डिंडोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, रायसेन, होशंगाबाद, हरदा, खंडवा, खरगोन, बड़वानी से होकर बहती है।
- खंभात की खाड़ी अरब सागर में गिरती है

## सहायक नदियाँ

- **बाएँ तरफ से :** बरनार, बंजार, शेर, शक्कर, दूधी, तवा, गजल, डोटी तवा, कुंडी, देव और गोई।
- **दाएं तरफ से :** हिरन, टिंडोनी , बरना, चंद्रकेशर , कनार, मान, हथनी ।
- **तवा** नर्मदा की सबसे लंबी सहायक नदी है

## महवपूर्ण तथ्य

- यह मध्य प्रदेश की सबसे लंबी नदी हैं

**Assistant Manager Exam 2021**

- भारत में पांचवां सबसे लम्बी नदी हैं
- अन्य नाम नामादोस [टॉलेमी द्वारा], रेवा, पुरुकुस्ट, मेकलसुता, सोमो देवी आदि हैं।
- प्रमुख झरनों में कपिलधारा, दूध धारा धुआंधार, मंधार, दर्दी सहस्त्रधारा आदि शामिल हैं। **MPPSC Pre – 2016, 2019**
- तट पर प्रमुख शहर: अमरकंटक, जबलपुर, होशंगाबाद, बड़वाह, महेश्वर, ओंकारेश्वर, निमाड़, बड़वानी, मंडला, मंडलेश्वर, कसरावद, नेमावर, पुनासा।
- प्रमुख परियोजनाएँ: रानी अवंतीबाई सागर बरगी परियोजना इंदिरा गांधी नर्मदा सागर [ पुनासा बांध]
- सरदार सरोवर नर्मदा पर बने बांध हैं। (मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान)
- जीवित इकाई का दर्जा प्राप्त करने वाली पहली नदी।
- **यह** विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं के बीच भ्रंश घाटी में बहती है। **MPPSC Pre – 2014, 2018**
- कर्क रेखा के समानांतर बहती है

## चम्बल नदी

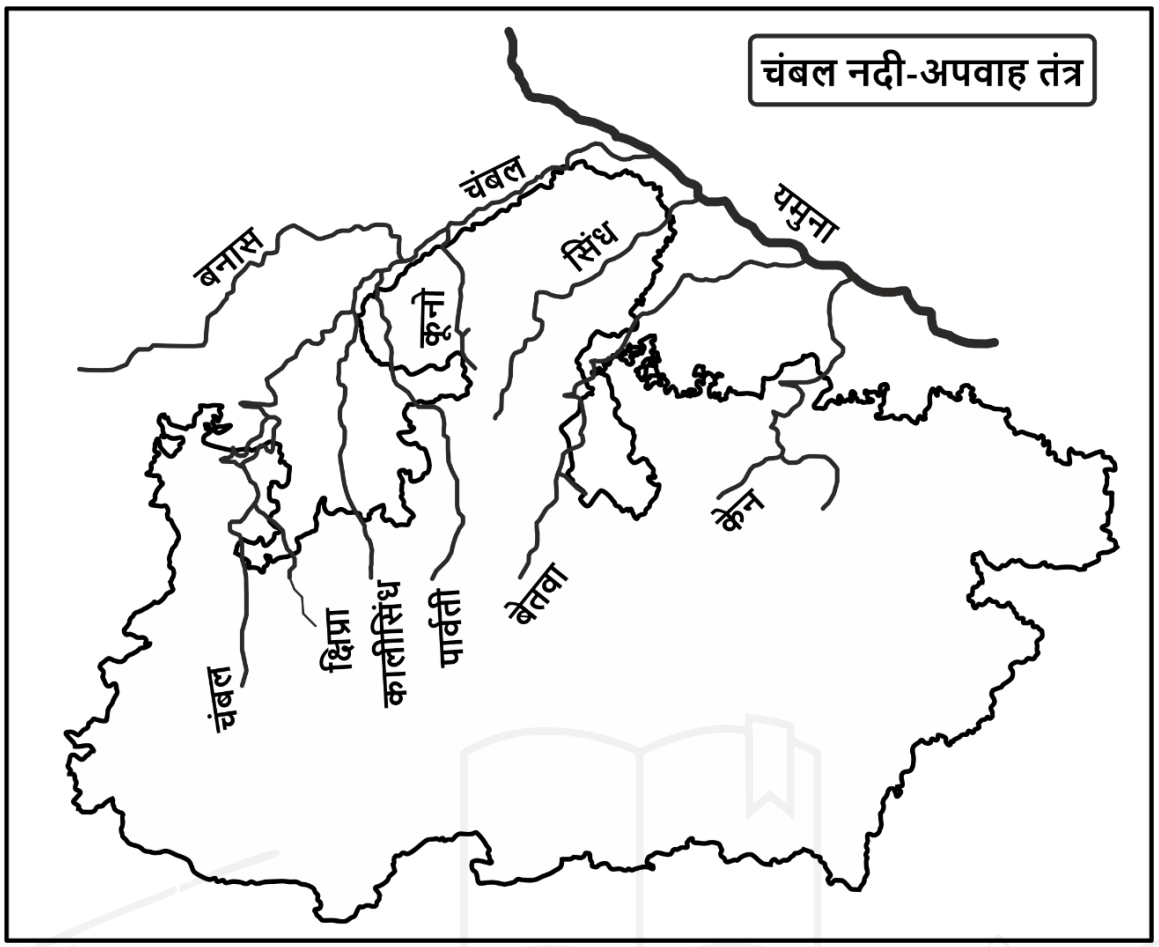


| लंबाई | उत्पत्ति/अंत | सहायक नदियाँ | तथ्य |
|---|---|---|---|
| • कुल लंबाई किमी **PEB ANM 2016, 2024** | • इसका उद्गम महू [इंदौर जिला] के पास जानापाव (881 मीटर ऊंचाई) पहाड़ियों से होता है।<br>• जिले: धार, उज्जैन, रतलाम, इंदौर, श्योपुर , मुरैना, भिंड<br>• शहर: धार, श्योपुर, महू, रतलाम, मुरैना<br>• यह इटावा [यूपी] के निकट यमुना नदी में गिरती है। | • शिप्रा, कालीसिंध, पार्वती, बनास **MPPSC Pre.2018** | • यह मध्य प्रदेश की दूसरी सबसे लंबी नदी हैं<br>• प्राचीन नाम: धर्मावती/ चर्मावती/ पूर्णा/ कामधेनु।<br>• यह राजस्थान के साथ मध्य प्रदेश की उत्तरी सीमा को चिह्नित करता है<br>• प्रमुख बांध: गांधी सागर नीमच (प्रथम जल विद्युत मध्य प्रदेश) राणा प्रताप सागर चित्तौड़गढ़ जवाहर सागर कोटा। **MPPSC Pre.2016**<br>• **जलप्रपात**: झाड़ी दहा, पातालपानी (इंदौर), भैंसरोडगढ़ (कोटा)<br>• यह कोई भ्रंश घाटी नहीं है.<br>• भिंड, मुरैना में बीहड़ बनाता है<br>• यह अखरानी और मथवार पहाड़ियों के बीच एक गहरी खाई का निर्माण करती है। **MPPSC Pre.2022** |

## बेतवा नदी

**MPPSC Pre. 2014, 2022**

| लंबाई | उत्पत्ति/अंत | सहायक नदियाँ | तथ्य |
|---|---|---|---|
| • उद्गम से लेकर यमुना में संगम तक नदी की कुल लंबाई 480 किलोमीटर है।<br>• मध्य प्रदेश में लंबाई: 232 किमी | • यह रायसेन जिले के कुमरा गांव से निकलती है।<br>• तट पर स्थित शहर: विदिशा, ओरछा, सांची, गुना।<br>**MPPSC Pre 2014**<br>• हमीरपुर [यूपी] के पास यमुना के साथ संगम है | • बेतवा नदी की दो प्रमुख सहायक नदियाँ: हलाली और धसान नदियाँ हैं। | • इसे मध्य प्रदेश की वेत्रवती और गंगा के नाम से भी जाना जाता है (उच्च प्रदूषण के कारण)।<br>• इसे बुन्देलखण्ड की जीवन रेखा भी कहा जाता है<br>• यह मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच की सीमा को चिह्नित करता है।<br>• **परियोजना:**<br>1. माता टीला बांध<br>2. केन बेतवा लिंक परियोजना |

## ताप्ती नदी

| लम्बाई | उद्गम/समाप्ति स्थल | सहायक नदियाँ | तथ्य |
|---|---|---|---|
| • लंबाई 740 किमी | • इसका उद्गम मुलताई [बैतूल], मध्य प्रदेश से होता है<br>• जिले: बैतूल, खंडवा<br>• बुरहानपुर प्रमुख शहर है<br>• यह गुजरात में खंभात की खाड़ी में गिरती है | • सहायक नदियाँ: पूर्णा, भादुर, गिरना, बोरी, शिवा<br>• इसकी मुख्य सहायक नदी पूर्णा [पश्चिमी तट] है<br>**MPPSC Pre 2023** | • यह सूर्य की पुत्री (सूर्यपुत्री) के रूप में भी जानी जाती हैं<br>• यह नर्मदा के समानांतर बहती हुई पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है। |

## सोन नदी

| लंबाई | उद्गम/समाप्ति स्थल | सहायक नदियाँ | तथ्य |
|---|---|---|---|
| • 784 किमी लंबी सोन नदी भारत की सबसे लंबी नदियों में से एक है<br>**MPPSC Taxation Assistant 2022, MP Forestry & Gen Scie. 2022** | • इसका उद्गम अमरकंटक [अनूपुर जिला] में नर्मदा नदी के उद्गम स्थल के निकट है<br>**MP Constable 2017, Assistant District Prosecution Officer 2015**<br>• जिले शहडोल, उमरिया, सीधी, रीवा, सिंगरौली<br>• इसका संगम बिहार में दानापुर के निकट गंगा नदी से होता है | • बायीं तरफ से : घाघरा नदी, जोहिला नदी, छोटी महानदी नदी<br>**(MPPSC Assistant Registrar Exam 2022)**<br>• दाए तरफ से : गोपद नदी, रिहंद नदी, कनहर नदी, उत्तरी कोयल नदी।<br>• जोहिला इसकी प्रमुख सहायक नदी है | • इसे स्वर्णा, सोनभद्र या सुभागधि, हिरण्यबाहु भी कहा जाता है<br>• सोन नदी मध्य प्रदेश और बिहार में बहती है।<br>• परियोजनाएं: बाणसागर बांध देवलौंद [शहडोल जिला] (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार की संयुक्त परियोजना) में बनाया गया है |

## तवा नदी

**MPPSC Pre. 2021**

| लंबाई | उत्पत्ति/अंत | सहायक नदियाँ | तथ्य |
|---|---|---|---|
| • तवा नर्मदा की सबसे लंबी सहायक नदी है<br>**MPPSC Pre. 2016** | • इसका उद्गम महादेव पर्वत [पचमढ़ी] में कालीभीत पहाड़ियों से होता है।<br>• यह होशंगाबाद जिले में नर्मदा से मिलती है । | मालिनी, देनवा सुखतवा | • मध्य प्रदेश का सबसे लंबा बांध होशंगाबाद में तवा पर स्थित है<br>• शहर: तवानगर, पचमढ़ी<br>• मध्य प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी तवा नदी पर स्थित है |

## अन्य नदियाँ

1. **क्षिप्रा नदी (चम्बल की सहायक नदी)** **MPPSC Pre. 2021**
   - **लंबाई:** 195 किमी
   - यह **काकरा बर्डी हिल्स [इंदौर]** से **निकलती है** और **चंबल नदी** से **संगम करती है**
   - **इसके तट पर उज्जैन (महाकालेश्वर मंदिर के लिए प्रसिद्ध) स्थित है**
   - **खान नदी इसकी सहायक नदी है।**
   - **जिले** इंदौर,उज्जैन,रतलाम,मंदसौर
   - मालवा की गंगा.
2. **कालीसिंध नदी (चम्बल की सहायक नदी)**
   - **लंबाई: 150 किमी.**
   - इसका उद्गम बागली गांव (देवास) से होता है और राजस्थान में चंबल नदी से संगम होता है
   - **मध्य प्रदेश में यह देवास, शाजापुर और नरसिंहगढ़ जिले से होकर बहती है**
   - **शहर:** देवास , सोनकच्छ
3. **पार्वती नदी (चम्बल की सहायक नदी)**
   - इसका उद्गम सीहोर जिले से होता है और चंबल नदी में संगम होता है।
   - शहर: शाजापुर, राजगढ़, आस्टा
4. **वैनगंगा नदी**
   **(गोदावरी की सहायक नदी)**
   **MPPSC Pre. 2021, MPPSC Tax. Asst. Exam 2022**
   - लंबाई: 570 किमी
   - उद्गम स्थल: सिवनी [परसवाड़ा पठार में मुंडारा में महादेव पहाड़ियाँ]
   - महाराष्ट्र में वर्धा नदी में गिरती है
   - मध्य प्रदेश में यह सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा जिलों से होकर बहती है
   - वैनगंगा और वर्धा के संगम को प्राणहिता [महाराष्ट्र] नाम दिया गया है जो अंततः गोदावरी में विलीन हो जाती है।
5. **केन नदी (यमुना की सहायक नदी)**
   - **लंबाई:** 427 किलोमीटर (मध्य प्रदेश में 292 किलोमीटर)
   - **सहायक नदिया –** कोपरा वयामा और विरयाना
     **Assistant District Prosecution Officer 2015, MP Constable 2017**
   - **उद्गम स्थल:** कटनी विंध्याचल
   - **यमुना नदी** से **संगम .**
   - इसका **पुराना नाम दीर्नावती** है **।**
   - यह पांडव जलप्रपात (पन्ना के निकट) का निर्माण करती है
6. **सिंध नदी (यमुना की सहायक नदी)**
   - **लंबाई:** 470 किमी
   - इसका उद्गम सिरोंज [विदिशा जिला] से होता है।
   - **सहायक नदी** – बाएँ तरफ से - खदान , दाएँ तरफ से - पहुज
   - यूपी में **यमुना** में मिल जाती हैं
   - **जिले:** यह मध्य प्रदेश में गुना, शिवपुरी, भिंड और दतिया जिलों से होकर बहती है।
   - **मड़ीखेड़ा बांध** शिवपुरी जिले में है
7. **टोंस नदी (गंगा की सहायक नदी)**
   - इसका **उद्गम कैमूर पहाड़ी** [सतना जिला] से होता है
   - **यूपी में गंगा नदी** के साथ **संगम करती हैं**
8. **वर्धा नदी (वेनगंगा की सहायक नदी)**
   - **लंबाई:** 528 किमी
   - इसका **उद्गम मुलताई तहसील** [बैतूल जिला] में **वर्धन शिखर** से होता है।
   - इसका **संगम** महाराष्ट्र में **वैनगंगा** से होता है
9. **छोटी तवा**
   - यह **सुक्ता और अवाना** नामक **दो छोटी नदियों से बनी है ।**
   - इसकी उपस्थिति बुरहानपुर जिले में है
10. **कुवारी (सिंध की सहायक नदी)**
    - लंबाई 37 किमी
    - उद्गम स्थल : शिवपुरी पठार
    - भिंड में सिंध में मिल जाती है
    - शहर: शिवपुरी
    - **कुनो (चम्बल की सहायक नदी)**
    - **लंबाई: 180 किमी**
    - **शिवपुरी पठार से निकलती है**
    - **चम्बल नदी में मिलती है।**
11. **गार: सिवनी के लखनादौन क्षेत्र से निकलकर नर्मदा में मिलती है।**
12. **कुंडा** : **सतपुड़ा पर्वतमाला से निकलकर नर्मदा में मिलती है।**
13. **सातक** : **खरगोन जिले** से **निकलकर नर्मदा** में **मिलती** है।
14. **सिवना: इसके तट पर स्थित मुख्य शहर मंदसौर है।**
15. **बिछिया: इसके तट पर स्थित मुख्य नगर रीवा है।**
16. **खान: इस के तट पर मुख्य शहर इंदौर है।**
17. **माही**
    - **लंबाई:** 583 किमी
    - उद्गम स्थल विंध्य (धार जिला) फिर झाबुआ से प्रवाहित होता है
    - यह नदी पूर्व से पश्चिम की और बहती हैं।
      **PEB ANM 2016**
    - **खंभात की खाड़ी** में **समाप्त हो जाती हैं**
    - इसके तट पर **मुख्य नगर सरदारपुर है**
    - **माही नदी तीन राज्य मध्य प्रदेश राजस्थान गुजरात राज्यों मैं बहती हैं और इसका अपवाह क्षेत्र 34,842 वर्ग किलोमीटर है।** **MPPSC PRE 2023**
18. **स्वर्णरेखा** : इसके तट पर **मुख्य शहर ग्वालियर है**

## मध्य प्रदेश में जलप्रपात

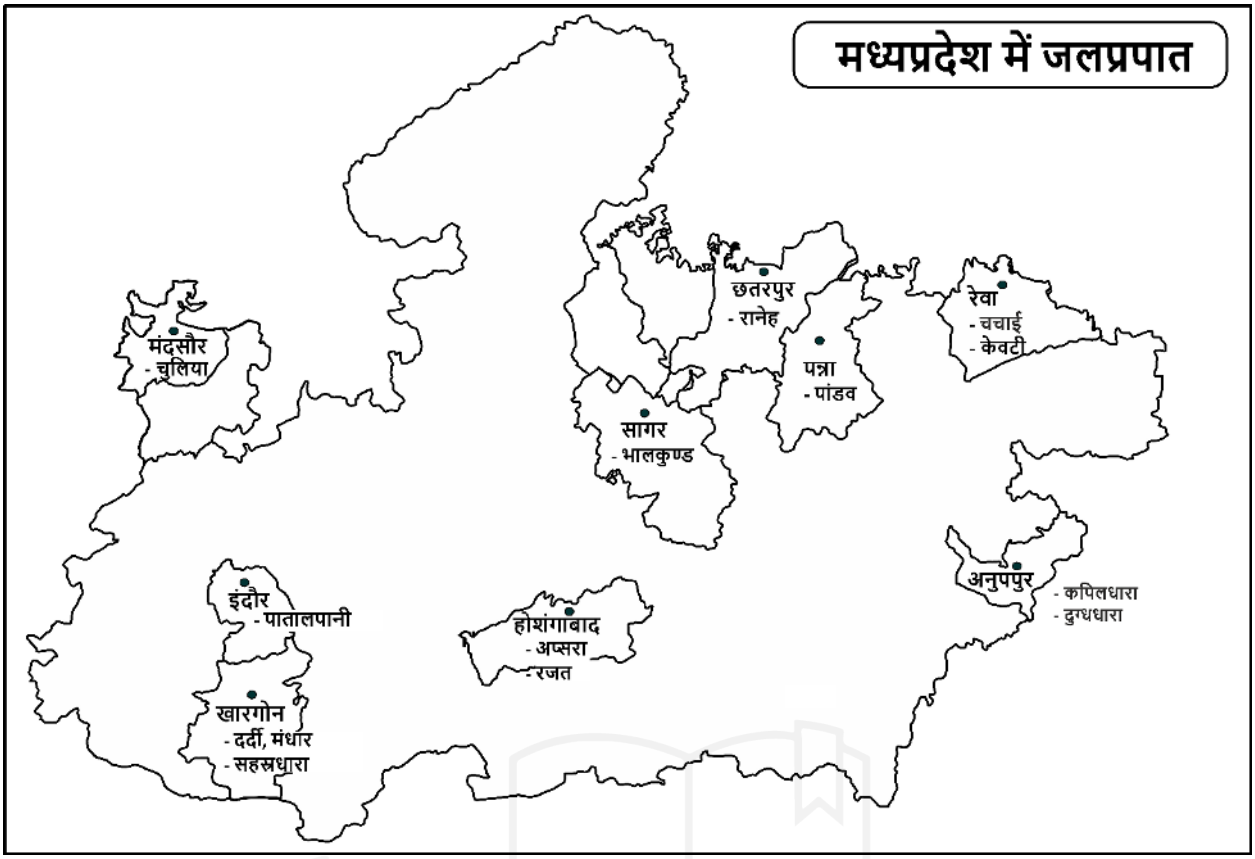


| झरना | नदी | स्थान |
|---|---|---|
| कपिलधारा, दुग्धधारा **PEB Patwari 2018, MP SI 2017, MP Patwari 2017** | नर्मदा | अनुपपुर |
| सहस्त्रधारा | नर्मदा | महेश्वर |
| भेड़ाघाट / धुआंधार **MPPEB Police Constable Exam 2022** | नर्मदा | जबलपुर |
| मंधार **Forest Ser. (Mains) 2019** | नर्मदा | खंडवा |
| दर्दी | नर्मदा | बड़वाह |
| सतधारा, भीमकुंड, अर्जुनकुंड | नर्मदा | नरसिंहपुर |
| चूलिया | चंबल | मन्दसौर |
| झड़ी दाहा | चंबल | इंदौर |
| पातालपानी | चंबल | इंदौर |
| धाराखोह, सुल्तानगढ़, पावा | सिंध | शिवपुरी |
| राहतगढ़ | बेतवा | सागर |
| पाण्डव | केन | परमा |
| चचाई **MPPSC 2009, MP Group-2 2017, MP SI 2017** | तमसा | रीवा |
| बहुती (म.प्र. का सबसे ऊँचा जलप्रपात) **MP Group-2 2017** | बीहड़ | रीवा |
| गांगुलपारा | वैनगंगा | बालाघाट |
| केवटी | महाना | रीवा |
| शंकर खो | जामनेर | खवानी |
| लिलाही , अनहोनी , कुकरी खापा | कन्हान | छिंदवाड़ा |